राजस्थान राज्य तिलहन उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड

(दिनांक 30.06.2018 तक की स्थिति)

क्र. सं.	बिन्दु		विवरण
1.	नाम	:	राजस्थान राज्य तिलहन उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड
2.	स्थापना	:	3 जुलाई, 1990
3.	कार्य प्रारम्भ	:	1 जनवरी, 1991
4.	उद्देश्य	:	1. **सहकारी विकास** – प्राथमिक तिलहन उत्पादक सहकारी संस्थाओं का गठन एवं विकास। तिलहन उत्पादक कृषकों के आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान हेतु सहकारी आधार पर कार्य।
			2. **तिलहन उत्पादन को प्रोत्साहित करना।**
			3. **तिलहन उत्पादकों को तिलहन का उचित कीमत दिलावाना ताकि बिचौलियों के शोषण से बचाया जा सके।**
			4. **औद्योगिक प्रगति को प्रोत्साहित करना जिससे खाद्य तेल एवं अन्य गौण उत्पादों का निर्माण हो सके।**
5.	अधिकृत अंश पूँजी	:	रूपये 150 करोड़ (प्रत्येक 1000 रूपये के 15 लाख शेयर)
6.	प्रदत्त अंश पूँजी	:	राज्य सरकार 72.26 करोड़ सदस्य समितियां 2.09 करोड़ **कुल – 74.35 करोड़**

7	ऋण	:	31.03.2010 को मूल 82.37 करोड़ – ब्याज रूपये 113.95 करोड़ राजकीय बकाया था। ऋण पेटे निम्न राशियाँ राजकोष में जमा करायी गयी है :–

(राशि रू. लाखों में)

वित्तीय वर्ष	मूल ऋण	ब्याज में छूट
2009–10	105.00	210.00
2010–11	55.22	110.44
2011–12	318.53	637.06
2012–13	654.77	2233.40
2013–14	461.93	
योग	**1595.45**	**3190.90**

नोटः– राज्य सरकार के निर्णयानुसार जमा कराये गये मूल ऋण की राशि का दुगुना ब्याज माफ किया जाता है जो संघ के लाभ में जुड़ जाता है।

8. तिलम् संघ की विगत वर्षों की लाभ/हानि की स्थिति निम्न प्रकार है :–

(राशि लाख रूपयें में)

क्र. सं.	वर्ष	बिक्री	परिचालन लाभ/हानि	शुद्ध लाभ/हानि
1.	2009–10	6172.45	+ 336.70	+ 231.90
2.	2010–11	8313.54	+ 136.39	+ 226.17
3.	2011–12	8558.01	+ 618.88	+ 637.06
4.	2012–13	10871.61	+ 1091.29	+ 1572.49
5.	2013–14	61628.68	+ 769.89	+ 672.15
6.	2014–15	64363.91	+ 286.03	+ 2400.80
7.	2015–16	9767.53	+ 167.00	+ 122.59
8.	2016–17	10849.61	+ 159.17	+ 50.18

9. इकाईयाँ : संघ की कुल 8 ईकाइयॉ थी जिनमें से 4 को मंत्री मण्डल की आज्ञा के अनुसरण में बन्द कर दिया गया है। इकाईयों की वर्तमान स्थिति इस प्रकार है :–

अ. कार्यरत युनिट्स –

युनिट	ऑयल सीड	ऑयल मिल	सालवेन्ट	रिफायनरी
		मैट्रिक टन/प्रति दिन		
कोटा	सोयाबीन एवं सरसों (Expeller)	100	200	50
गंगानगर	सरसों (कच्ची घाणी)	100	–	–
फतेहनगर	मूँगफली	150	50	–
बीकानेर	मूँगफली एवं सरसों (Expeller)	120	100	50

नोट :– मशीनरी पुरानी है। वर्तमान में प्रक्रियण कार्य नहीं किया जा रहा है।

(अ.1.)कोटा –

क – सोयाबीन एवं सरसों (कच्ची घाणी) तेल क्रय करना, Filling एवं Packaging of Oil व तेल को विक्रय करना। Soya & Mustard Seed का वाणिज्यिक क्रय एवं विक्रय करना।

ख – सोयाबीन, सरसों एवं गेहूँ के 2 सीड ग्रेडिंग प्लान्ट कार्यरत।

ग – आधार व प्रमाणित बीज उत्पादन।

घ – समर्थन मूल्य पर खरीद।

(अ.2.)श्रीगंगानगर –

क – समर्थन मूल्य पर जिंसो की खरीद व बीज उत्पादन कार्य किया जा रहा है

ख – सरसों, गेहूँ एवं चना का 1 सीड ग्रेडिंग प्लान्ट कार्यरत।

(अ.3.)फतेहनगर (उदयपुर) –

क – डबल फिल्टर्ड मूँगफली तेल, सरसों तेल, सोयाबीन – तेल क्रय करना, Filling एवं Packaging of Oil व तेल को विक्रय करना।

ख – मूंगफली सीड ग्रेडिंग प्लान्ट स्थापित है।

(अ.4.) बीकानेर –

उपलब्ध गोदामों को किराये पर दिये जाने के प्रयास किये जा रहे है। बीकानेर में पोषाहार संयंत्र की स्थापना प्रस्तावित है।

ब. बन्द युनिट्स –

(ब.1) गंगापुरसिटी (सवाई माधोपुर)– प्लान्ट एवं मशीनरी का निस्तारण (बेचान) कर दिया गया है। भवन एवं भूमि के निस्तारण की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। परिसम्पत्तियॉ निम्न है :–

- भूमि 20984.50 वर्ग मीटर
- आयल मिल भवन
- कच्चा माल गोदाम 3000 मै.टन
- खल गोदाम 1000 मै. टन
- 13 रिहायशी आवास गृह।
- कार्यालय भवन

2008 में 121.21 लाख रू. की निविदाये प्राप्त हुयी जिन्हें उच्च अधिकार प्राप्त समिति ने निरस्त करने का निर्णय लिया। पुनः 2009 में निविदाये ली गयी जिन्हें भी उच्च अधिकार प्राप्त समिति ने निरस्त करने का निर्णय लिया।

परियोजना के एक गोदाम को किराये पर दे दिया गया है।

(ब.2)मेड़तासिटी (नागौर)– भवन, भूमि एवं प्लान्ट के निस्तारण की निविदा जारी करके दरें ली जा चुकी है परन्तु अग्रिम कार्यवाही न्यायालय प्रकरण के कारण रूकी हुयी है। परिसम्पत्तियॉ निम्न है :–

भूमि – 49778.50 वर्ग मीटर

भवन –

- कच्चा माल गोदाम 4600 मै. टन
- खल गोदाम 2000 मै. टन
- कार्यालय भवन
- 17 आवास गृह एवं 1 अतिथि गृह

प्लान्ट एवं मशीनरी –

- आयल मिल 100 मे. टन –एक्सपेलर।
- बायलर डी.जी.सेट, वर्कशाप तथा अन्य युटीलिटी
- वेब्रिज 30 मे. टन
- साइलो गोदाम 5000 में टन (2500X2)

माननीय उच्च न्यायालय द्वारा मेड़तासिटी प्लांट हेतु पूर्व में प्राप्त निविदा दरों पर ही प्लांट विक्रय करने के वाद में स्थगन आदेश जारी किये गये है। संघ द्वारा स्थगन आदेश खारिज कराने हेतु जबाव पेश किया जा चुका है।

(ब.3) झुन्झुनु – ईकाई का पूर्णरूप से निस्तारण (बेचान) कर दिया गया है।

(ब.4) जालौर – ईकाई का पूर्णरूप से निस्तारण (बेचान) कर दिया गया है।

10. वाणिज्यिक एवं रॉ सीड उपार्जन (Procurement):

सरसों, सोयाबीन तथा मूँगफली का वाणिज्यिक उपार्जन यथासमय अनुमोदित बजट प्रावधानों के परिपेक्ष्य में किया जाता है। तत्पश्चात् लाभप्रद मूल्य प्राप्त होने पर कालान्तर में इसका विक्रय किया जाता है। विगत चार वर्षों के आंकड़े निम्नानुसार है :–

(मात्रा मैट्रिक टन में)

फसल का नाम	2014–15	2015–16	2016–17	2017–18	2018–19 (जून 2018, तक)
सोयाबीन	2023.90	4669.042	7959.24	3065.31	0.0
सरसों	1468.222	1592.076	165.61	222.00	0.0
मूंगफली	0.00	0.00	0.00	0.00	0.0

11.तेल विपणन (Marketing)

सरसों, सोयाबीन, मूँगफली ब्रान्डेड तेल का विपणन यथासमय केन्द्रीकृत विपणन समिति (सी.एम.सी.) द्वारा विपणन नीति के अनुसार किया जाता है। विगत चार वर्षों के आंकड़े निम्नानुसार है :–

खाद्य तेल व्यवसाय– संघ द्वारा निर्धारित मापदण्ड के तेल क्रय कर निम्न प्रकार बिक्री की गई :–

(मात्रा मैट्रिक टन में)

तेल का नाम	2014–15	2015–16	2016–17	2017–18	2018–19 (जून 2018, तक)
सोयाबीन	1212.51	1395.78	1477.86	1265.66	329.4
सरसों	68.08	72.73	176.71	84.80	51.45
मूंगफली	2445.39	1852.430	890.29	676.73	292.37

12.समर्थन मूल्य पर तिलहन/खाद्यान्न खरीद का विवरण

गेहूं, मूंगफली, चना, सरसों एवं लहसुन का समर्थन मूल्य पर खरीद का गत चार वर्षो का विवरण निम्नानुसार है :–

फसल का नाम	वर्ष	खरीद केन्द्रों की संख्या	खरीद मात्रा मै. टन	खरीद राशि लाखो में	विशेष विवरण
गेहूँ	2014	109	292092.68	45274.37	रू.150/– बोनस प्रति क्विंटल
चना	2014	19	36600.51	11346.16	
सरसों	2014	06	173.82	53.02	
गेहूँ	2015	17	24565.045	3561.99	
गेहूँ	2016	19	31021.82	4730.80	
मूंग	2016	02	160.20	83.70	रू.425/– बोनस प्रति क्विंटल
गेहूँ	2017	17	25944.60	4216.01	
मूंगफली	2017	02	8682.42	3863.67	
मूंग	2017	04	6775.05	3777.09	
उडद	2017	01	1287.95	695.49	
गेहूँ	2018	07	102296.4	17748.42	

13.प्रमाणित बीज व्यवसाय :

तिलम् संघ की मुख्य गतिविधि के रूप में संघ की कोटा तथा श्रीगंगानगर प्रोजेक्ट में सोयाबीन, सरसों, गेहूं, चना, ग्वार, मूंग तथा मोंठ इत्यादि प्रमाणित बीज तैयार कर कृषकों को विक्रय किया जाता है। राज्य सरकार द्वारा इस पर अनुदान दिया जाता है। विगत चार वर्षों के आंकड़े निम्नानुसार है :–

फसल का नाम	2014–15	2015–16	2016–17	2017–18	2018–19
	बिक्री मात्रा	बिक्री मात्रा	बिक्री मात्रा	बिक्री मात्रा	बिक्री मात्रा
सोयाबीन	841.00	1900.60	31477.20	37010.00	15081.6
सरसों	437.00	1177.74	564.63	0.00	
गेहूँ	40602.00	21381.30	29982.80	17933.80	
चना	337.00	0.00	164.70	7812.30	
ग्वार	41.00	191.36	364.32	585.36	273.4
मूंग	0.00	0.00	--	150.00	694.24
योग	**42258.00**	**24651.00**	**62553.65**	**63491.46**	**16049.24**

14.संघ द्वारा अनुमोदित एवं कार्यरत डिपों:

तिलम् ब्राण्ड सोयाबीन, सरसों तथा मूंगफली डबल फिल्टर तेल विक्रय करने के लिए प्रदेश में 6 डिपों एजेन्ट नियुक्त किये गये है। यह जयपुर, उदयपुर, चित्तौडगढ, भीलवाडा एवं कोटा में है।

1. मैसर्स युवराज एजेन्सी, जयपुर।
2. मैसर्स भीलवाड़ा सहकारी उपभोक्ता होलसेल भण्डार लि., भीलवाड़ा।
3. मैसर्स चित्तौड़गढ़ क्रय–विक्रय सहकारी समिति लि., चित्तौड़गढ़।
4. मैसर्स सुकुमल ट्रेडिंग कम्पनी, उदयपुर।
5. मैसर्स उदयपुर सहकारी उपभोक्ता थोक भण्डार लि., उदयपुर।
6. मैसर्स कोटा सहकारी उपभोक्ता होलसेल भण्डार, कोटा।

15.कार्मिक

तिलम् संघ में कुल स्वीकृत 430 पदों के विरूद्ध वर्तमान में 154 कार्मिक नियुक्त है।

तिलम् संघ की स्टॉफ स्ट्रेन्थ दिनांक 30.06.2018 को

विवरण	प्रबन्धक वर्ग	अधीनस्थ संवर्ग	कुल कार्यरत स्टॉफ
तिलम् संघ में कार्यरत	22	97	119
प्रतिनियुक्ति पर	04	30	37
कुल योग	26	127	153

16. भविष्य की योजनायें

1. माननीय सहकारिता मंत्री महोदय द्वारा संघ की सभी इकाईयों की अधिशेष भूमि तथा साइलो के सार्वजनिक निजी सहभागिता (PPP) पद्धति पर उपयोग में लेने हेतु प्रमुख शासन सचिव, सहकारिता की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समिति का गठन कर दिया गया है।
2. महिला एवं बाल विकास विभाग राजस्थान सरकार को विभिन्न पोषाहार की आपूर्ति हेतु अर्द्धशासकीय पत्र इस कार्यालय के पत्रांक 1435 दिनांक 11.09.2013 को प्रशासक, तिलम् संघ द्वारा प्रेषित किये गये थे। इस संबंध में मुख्य सचिव, राजस्थान सरकार की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन दिनांक 24.02.2015 को किया गया था जिसमें संघ को 3000 टन क्षमता का प्लान्ट बीकानेर में लगाने हेतु राज्य सरकार द्वारा रूपये 11.00 करोड़ ब्याज मुक्त ऋण अथवा राज्य सरकार गारन्टी प्रदान कर बैंक से ऋण प्राप्त कर ब्याज के पुनर्भरण करने के साथ–साथ कार्यशील पूॅजी राशि रूपये 39.00 करोड़ प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। इस हेतु डी.पी.आर. एम.पी. स्टेट एग्रो इण्डस्ट्रीयल डेवलपमेन्ट कॉरपोरेशन द्वारा प्रस्तुत कर दी गयी है। जिस पर आई.सी.डी.एस. द्वारा अग्रिम कार्यवाही की जानी है। इसके अतिरिक्त माननीय खाद्य आपूर्ति राज्य मंत्री द्वारा एवं प्लान्ट मेड़तासिटी परियोजना में स्थापित करने हेतु माननीय मुख्यमंत्री महोदया को अर्द्धशासकीय पत्र लिखे गये है।
3. सोयाबीन, सरसों, गेहूॅ, चना, ग्वार, मोठ आदि के प्रमाणित बीज अधिकतम मात्रा में किसानों को उपलब्ध कराया जाना।

17.अंकेक्षणः

तिलम संघ की साधारण सभा द्वारा सनदी लेखाकार की नियुक्ति करके कराया जाता है। वित्तीय वर्ष 2016–17 तक का अंकेक्षण कराया जा चुका है।